बीपीएसएमवी के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

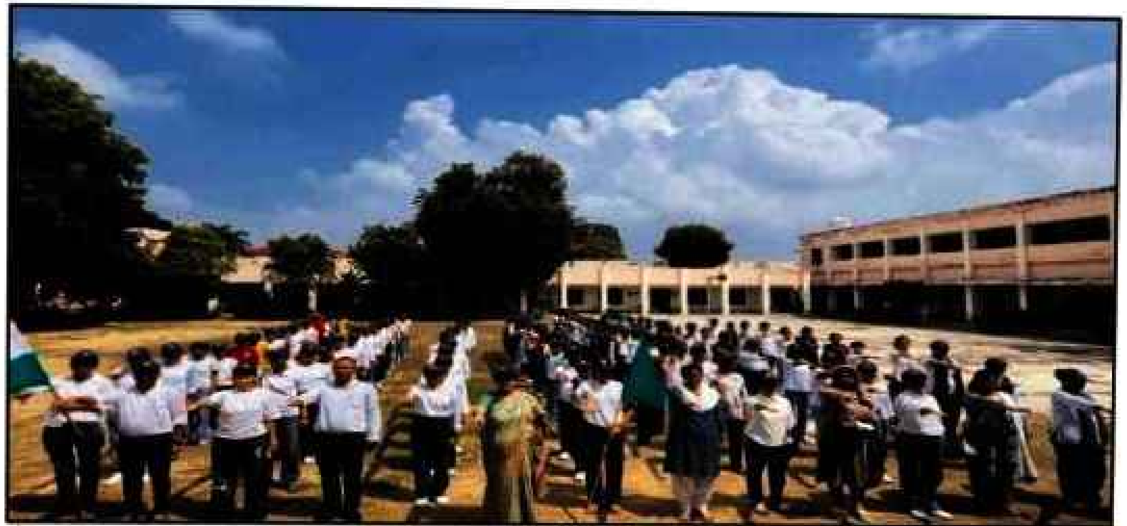

गोहाना, वायरल सच (अनिल जिंदल) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर समस्त छात्राओं को प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई । अपने सन्देश में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि आज हम विश्व साक्षरता दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। कुलपति ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा पूरे समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियाँ सशक्त बनती हैं। हमारा विश्वविद्यालय इसी ध्येय को लेकर आगे बढ़ रहा है—नारी शिक्षा, नारी सशक्तिकरण। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री पाने का साधन न मानें। इसे अपने जीवन के मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। आप ही वह शक्ति हैं जो आने वाले कल को नई दिशा देंगी। प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए साक्षरता को बहुत महत्वपूर्ण बताया। प्रो जोशी ने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए 'टीच वन इच वन" की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी प्रो नूतन, डॉ नितिका,डॉ परविंद्र, डॉ प्रीति, डॉ विजय मलिक, संदीप आदि टीचिंग स्टाफ सदस्य एवं इंस्टीट्यूट की छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

बीपीएसएमवी के इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना,(अनिल जिंदल), 08 सितंबर। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर समस्त छात्राओं को प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई । अपने सन्देश में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि आज हम विश्व साक्षरता दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। कुलपति ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा पूरे समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियाँ सशक्त बनती हैं। हमारा विश्वविद्यालय इसी ध्येय को लेकर आगे बढ़ रहा है– "नारी शिक्षा, नारी सशक्तिकरण।" उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री पाने का साधन न मानें। इसे अपने जीवन के मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। आप ही वह शक्ति हैं जो आने वाले कल को नई दिशा देंगी। प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए साक्षरता को बहुत महत्वपूर्ण बताया। प्रो जोशी ने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए 'टीच वन इच वन" की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी प्रो नूतन, डॉ नितिका,डॉ परविंद्र, डॉ प्रीति, डॉ विजय मलिक, संदीप आदि टीचिंग स्टाफ सदस्य एवं इंस्टीट्यूट की छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की छात्रा रिया यादव ने आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को किया सफलतापूर्वक पूर्ण

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना,(अनिल जिंदल) 08 सितम्बर। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की बी ए एम एस तृतीय प्रोफेशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी सी आर ए एस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। प्रोजेक्ट की सफल पूर्णता के उपरांत उसे सी सी आर ए एस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य हेतु वित्तीय सहायता जारी की गई है । जानकारी देते हुए आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ ए पी नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक "दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फ़ंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययनः प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव" पर कार्य किया। यह प्रोजेक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। शोध क्षेत्र में छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि शोध कार्य से न केवल आपकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आता है बल्कि आपकी रचनात्मक शैली भी निखरती है। कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद हमारी सबसे प्राचीन उपचार पद्धति है इसके बारे में जितनी शोध की जाए कम है। इस छात्रा की उपलब्धि अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। प्रो सुदेश ने कहा कि शिक्षक छात्राओं की शोध कार्य में पूर्ण मदद करें। डॉ नरेश भार्गव ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय परिवार ने गर्व की बात बताया और उम्मीद जताई कि यह शोध आयुर्वेदिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत करने और रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

छात्रा रिया यादव को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

कुलपति प्रो. सुदेश ने रिया यादव को दी बधाई

गोहाना, 8 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की बीए एम एस तृतीय प्रोफेशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। प्रोजेक्ट की सफल पूर्णता के उपरांत उसे सीसीआरएएस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य हेतु वित्तीय सहायता जारी की गई है। जानकारी देते हुए आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. ए पी नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फ़ंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययन: प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव पर कार्य किया। शोध क्षेत्र में छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि आयुर्वेद हमारी सबसे प्राचीन उपचार पद्धति है इसके बारे में जितनी शोध की जाए कम है।

प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी छात्राओं को 'टीच वन इच वन' की शपथ दिलाते हुए।

प्राचार्या जोशी ने छात्राओं को दिलाई पूर्ण साक्षरता की शपथ

गोहाना, 8 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर समस्त छात्राओं को प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि आज हम विश्व साक्षरता दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। कुलपति ने कहा कि जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियां सशक्त बनती हैं। प्राचार्या प्रो. सुषमा जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए साक्षरता को बहुत महत्वपूर्ण बताया। प्रो. जोशी ने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए टीच वन इच वन की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नूतन, डॉ. नितिका, डॉ. परविंद्र, डॉ. प्रीति, डॉ. विजय मलिक, संदीप आदि टीचिंग स्टाफ सदस्य एवं इंस्टीट्यूट की छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बीपीएसएमवी के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

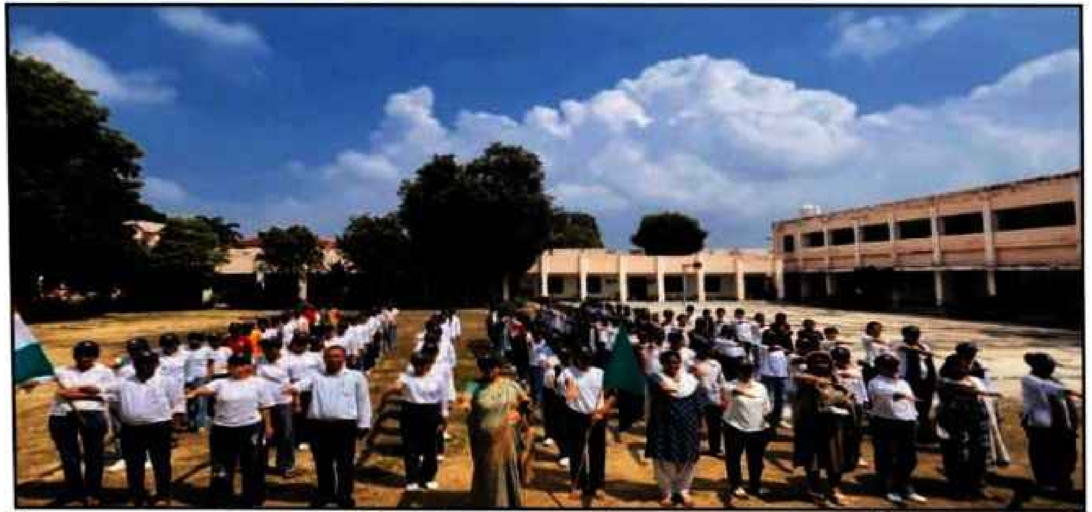

गोहाना, वायरल सच (अनिल जिंदल) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर समस्त छात्राओं को प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई । अपने सन्देश में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि आज हम विश्व साक्षरता दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। कुलपति ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा पूरे समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियाँ सशक्त बनती हैं। हमारा विश्वविद्यालय इसी ध्येय को लेकर आगे बढ़ रहा है–नारी शिक्षा, नारी सशक्तिकरण। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री पाने का साधन न मानें। इसे अपने जीवन के मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। आप ही वह शक्ति हैं जो आने वाले कल को नई दिशा देंगी। प्राचार्या प्रो सुषमा जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए साक्षरता को बहुत महत्वपूर्ण बताया। प्रो जोशी ने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए 'टीच वन इच वन" की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी प्रो नूतन, डॉ नितिका,डॉ परविंद्र, डॉ प्रीति, डॉ विजय मलिक, संदीप आदि टीचिंग स्टाफ सदस्य एवं इंस्टीट्यूट की छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की छात्रा रिया यादव ने स्पार्क प्रोजेक्ट को किया सफलतापूर्वक पूर्ण

पल पल न्यूज, खानपुर कलां / गोहाना, 08 सितम्बर, (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की बी ए एम एस तृतीय प्रोफेशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। प्रोजेक्ट की सफल पूर्णता के उपरांत उसे सी सी आर ए एस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य हेतु वित्तीय सहायता जारी की गई है। जानकारी देते हुए आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ ए पी नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फ़ंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययन प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव पर कार्य किया। यह प्रोजेक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। डॉ नरेश भार्गव ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय परिवार ने गर्व की बात बताया और उम्मीद जताई कि यह शोध आयुर्वेदिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत करने और रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

बी.पी.एस. की छात्राओं ने ली पूर्ण साक्षरता की शपथ

गोहाना मुद्रिका, 8 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर छात्राओं को प्रिंसिपल प्रो. सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई ।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। वी.सी. ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है।

उन्होंने कहा कि जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियां सशक्त बनती हैं। हमारा विश्वविद्यालय इसी ध्येय को लेकर आगे बढ़ रहा है, “नारी शिक्षा, नारी सशक्तिकरण।” उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री पाने का साधन न मानें। इसे अपने जीवन के मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ें। आप ही वह शक्ति हैं जो आने वाले कल को नई दिशा देंगी।

प्रिंसिपल प्रो सुषमा जोशी ने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए 'टीच वन इच वन" की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया ।कार्यक्रम में एन.एस.एस. की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नूतन, डॉ. नीतिका, डॉ. परविंद्र, डॉ. प्रीति, डॉ. विजय मलिक, संदीप आदि उपस्थित रहे ।

सी.सी.आर.ए.एस. के स्पार्क प्रोजेक्ट को रिया ने किया पूर्ण

गोहाना मुद्रिका, 8 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक कॉलेज की बी.ए.एम.एस. तृतीय प्रोफेशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.ए.एस.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। प्रोजेक्ट की सफल पूर्णता के उपरांत उसे सी.सी.आर.ए.एस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य के लिए वित्तीय सहायता जारी की गई है ।आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ ए.पी. नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक "दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फ़ंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययन: प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव" पर कार्य किया। यह प्रोजेक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

शोध क्षेत्र में छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि शोध कार्य से न केवल आपकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आता है बल्कि आपकी रचनात्मक शैली भी निखरती है। वी.सी. ने कहा कि आयुर्वेद हमारी सबसे प्राचीन उपचार पद्धति है।

पंजाब केसरी
TUE,09 SEPTEMBER 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

सी.सी.आर.ए.एस. के स्पार्क प्रोजैक्ट को रिया ने किया पूर्ण

गोहाना, 8 सितम्बर (अरोड़ा) : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मैमोरियल आयुर्वेदिक कॉलेज की बी.ए.एम.एस. तृतीय प्रोफैशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वैदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.ए.एस.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडैंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजैक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है।

प्रोजैक्ट की सफल पूर्णता के उपरांत उसे सी.सी.आर.ए.एस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लैटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य के लिए वित्तीय सहायता जारी की गई है।

आयुर्वैदिक कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ ए.पी. नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक 'दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययन: प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव' पर कार्य किया। यह प्रोजैक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

रिया यादव को सम्मानित करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

शोध क्षेत्र में छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि शोध कार्य से न केवल आपकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आता है बल्कि आपकी रचनात्मक शैली भी निखरती है। वी.सी. ने कहा कि आयुर्वेद हमारी सबसे प्राचीन उपचार पद्धति है। इसके बारे में जितनी शोध की जाए कम है। इस छात्रा की उपलब्धि अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। प्रो. सुदेश ने कहा कि शिक्षक छात्राओं की शोध कार्य में पूर्ण मदद करें।

डॉ. नरेश भार्गव ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय परिवार ने गर्व की बात बताया और उम्मीद जताई कि यह शोध आयुर्वैदिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत करने और रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पंजाब केसरी
TUE,09 SEPTEMBER 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 3

बी.पी.एस. की छात्राओं ने ली पूर्ण साक्षरता की शपथ

गोहाना (अरोड़ा) : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीच्यूट ऑफ हायर लर्निंग में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर छात्राओं को प्रिंसीपल प्रो. सुषमा जोशी ने पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। वी.सी. ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्त्तव्य दोनों जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है।

छात्रा रिया ने स्पार्क प्रोजेक्ट किया पूर्ण

रिया को सीसीआरएएस की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की बीएएमएस तृतीय प्रोफेशनल वर्ष की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया। सीसीआरएएस की ओर से छात्रा को स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन लेटर प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत उनके शोध कार्य हेतु वित्तीय सहायता जारी की गई है। आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. ए पी नायक ने बताया कि छात्रा रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह

गोहाना। छात्रा रिया यादव को प्रोत्साहित करते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

स्रोतोदुष्टि (फंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययनः प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव पर कार्य किया। यह प्रोजेक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने रिया को बधाई दी।

गोहाना। प्रो. सुषमा जोशी छात्राओं को शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा से ही मिट सकता है अज्ञानता का अंधकार : प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर छात्राओं को पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। साक्षरता केवल पढना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने छात्राओं को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए टीच वन इच वन की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा। कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नूतन, डा. नितिका, डा. परविंद्र, डा. प्रीति, डा. विजय मलिक, संदीप रहे।

स्पार्क प्रोजेक्ट को पूरा करने पर रिया यादव सम्मानित

गोहाना| बीपीएस महिला विवि के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान की छात्रा रिया यादव ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को पूर्ण कर लिया है। प्रोजेक्ट की पूर्णता के रव रिया को केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से स्वीकृति एवं फंडिंग सैंक्शन पत्र प्राप्त हुआ है। इसके अंतर्गत उनके शोध कार्य के लिए वित्तीय सहायता जारी की गई है। इस पर विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने रिया को सम्मानित हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा ही हमें बनाती है आत्मनिर्भर और सशक्त

गोहाना| बीपीएस महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया। इसमें एनएसएस की सभी यूनिटों की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने छात्राओं को पूर्ण साक्षरता की शपथ दिलाई और उन्हें साक्षरता को बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सभी को साक्षर करने के लिए टीच वन-इच वन की प्रतिज्ञा के साथ काम करना होगा।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा किविश्व साक्षरता दिवस मना रहे हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा ही असली शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर हमें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना भर नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली रोशनी है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य जानता है और समाज व राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा पूरे समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियां सशक्त बनती हैं। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नूतन, डॉ. नितिका, डॉ. परविंद्र, डॉ. प्रीति, डॉ. विजय मलिक, संदीप आदि मौजूद रहे।

छात्रा रिया को वित्तीय सहायता जारी

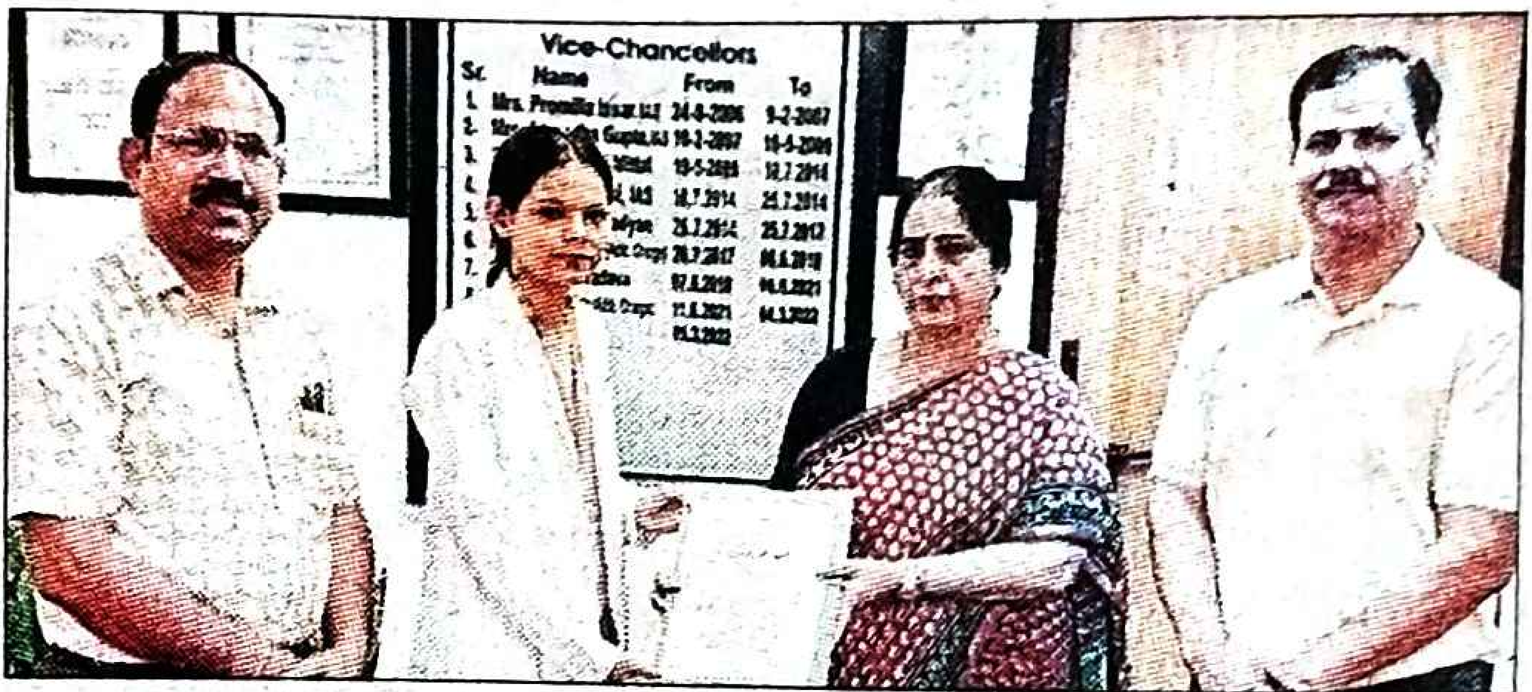

खानपुर कलां स्थित माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान में छात्रा रिया यादव को वित्तीय सहायता जारी करतीं कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। स्रोत : विवि

गोहाना। माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेद संस्थान, खानपुर कलां की बीएएमएस तृतीय वर्ष की छात्रा रिया यादव ने स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेदा रिसर्च केन (स्पार्क) प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की ओर से यह प्रोजेक्ट प्रायोजित किया गया था। सीसीआरएएस की ओर से छात्रा को वित्तीय सहायता जारी की गई है। आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने बताया कि रिया यादव ने अपने शोध शीर्षक दिवसीय एवं छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में पुरीषवह स्त्रोतोदुष्टि (फंक्शनल कॉन्स्टिपेशन) का तुलनात्मक अध्ययन : प्रकृति, आहार-विहार एवं तनाव का प्रभाव पर कार्य किया। यह प्रोजेक्ट स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश भार्गव के निर्देशन में संपन्न हुआ। कुलपति प्रो. सुदेश ने भी रिया को बधाई दी। संवाद